विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -06-09-2020**

विषय -हिन्दी (व्याकरण) **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों पाठ 11 काल के अन्तर्गत भविष्यत् काल के उपभेद के बारे में अध्ययन करेंगे ।

भविष्यत् काल – क्रिया के जिस रूप से उसके भविष्य में सामान्य ढंग से होने का पता चलता है, उसे सामान्य भविष्यत् काल कहते हैं; जैसे

- ओजस्व अपना जन्मदिन मनाएगा।
- राजा अपना गृह कार्य करेगा।

भविष्यत् काल के दो भेद होते हैं

- सामान्य भविष्यत् काल
- संभाव्य भविष्यत् काल

(i) सामान्य भविष्यत् काल – जहाँ साधारण रूप से क्रिया के भविष्यत् काल में होने या न होने का बोध हो। वह सामान्य भविष्यत् काल कहलाता है; जैसे

- अमर अखबार बेचेगा।
- हम खेलने जाएँगे।

(ii) संभाव्य भविष्यत् काल – क्रिया के जिस रूप से उसके भविष्य में होने की संभावना का पता चलता है, उसे संभाव्य भविष्यत काल कहते हैं; जैसे

- शायद वह पास हो जाए।
- शायद आज वर्षा हो।

गृहकार्य

- **बहुविकल्पी प्रश्न**

- 1. क्रिया का वह रूप, जिससे उसके इसी समय में होने का पता चले, उसे कहते हैं
  (i) भूतकाल
  (ii) वर्तमान काल
  (iii) भविष्यत् काल
  (iv) इनमें से कोई नहीं

- 2. भूतकाल उस काल को कहते हैं, जिसमें–
  (i) क्रिया के बीते हुए समय में होने का पता चले।
  (ii) क्रिया के इसी समय में होने का पता चले।
  (iii) क्रिया के आने वाले समय में होने का पता चले।
  (iv) उर्पयुक्त सभी

- काल के प्रकार होते हैं
  (i) दो
  (ii) तीन
  (iii) चार
  (iv) पाँच

- 4. जब कोई क्रिया हो चुकी हो तो कहलाता है
  (i) वर्तमान काल
  (ii) भविष्यत काल
  (iii) भूतकाल
  (iv) इनमें से कोई नहीं

(5) वर्तमान काल उस काल को कहते हैं
(i) कार्य चल रहा होता है।
(ii) कार्य हो चुका होता है।

(iii) कार्य होने की संभावना होती है।

(iv) कार्य होना होता है।